दैनिक जागरण

निरीक्षण : केन्द्रीय वैज्ञानिकों ने की जांच

भविष्य में उपयोगी होगी चिक कैड साफ्टवेयर की तकनीक

कम्प्यूटर द्वारा बनाई गई डिजाइन दिखाते छात्र। जागरण

फर्रुखाबाद : द्रोपदी ट्रस्ट से चिक कैड साफ्टवेयर के निर्माता मीडिया लैब एशिया, के द्वारा सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक नवीन कुमार और मौमिता पोद्दार ने द्रोपदी ट्रस्ट की नीरा मिश्रा के साथ प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इन लोगों ने यहां के साफ्टवेयर द्वारा खाका बनाने वाले छात्रों से बातचीत की। कारीगर महताब भाई, उजैर खान, शिवांगी, खुशबू आदि उपस्थित थे। कपिल और फर्रुखाबाद सेंटर में अब तक 25 खाका मेकर्स के द्वारा 200 से ज्यादा डिजाइनें बनायी गयी।

इसमें बूटा से लेकर पूरे कुर्ते, शेरवानी, कली, साड़ी के पूर्ण खाका बनाये गये। नवीन कुमार ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि ऐसे साफ्टवेयर विकसित किये जायें जो आम आदमी के रोजमर्रा की जिंदगी के लिए उपयोगी साबित हों। कपिल अग्र के अनुसार दिगम्बर जैन धर्मशाला में द्रोपदी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में बायो इनर्जी मिशन की जीवन शक्ति परियोजना के अधिकारी विनोद कुमार यादव अरुण कुमार मिश्रा ने तुलसी, सतावर, अश्वगंधा, कालमेघ, सर्पगंधा, आदि की खेती से सम्बंधित विस्तृत जानकारी दी। इसमें भूमि की तैयारी, बुआई से लेकर कटाई तक की तकनीकी जानकारी, सिंचाई एवं उर्वरक के बाबत जानकारी दी।

लागत एवं बाजार मूल्य के आधार पर इस खेती को अन्य फसलों की अपेक्षा विशेष लाभकारी बताया गया।